हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–253 : जौनपुर, बुधवार 14 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मुख्यमंत्री ने मेधावियों को किया सम्मानित

नकल माफिया समाज के दुश्मन इनका बहिष्कार करें : योगी

संवाददाता

लखनऊ। यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई व आईसीएसई के मेधावियों को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। इस मौके पर मेधावियों को एक लाख रुपये का पुरस्कार भी दिया गया।लखनऊ के लोक भवन में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकल माफिया समाज के सबसे बड़े दुश्मन हैं। सरकार ने उन पर लगाम लगाई है इनका सामाजिक बहिष्कार भी करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री लेना नहीं बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण का माध्यम बनना भी है। उन्होंने टॉपर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 6 वर्ष पहले प्रदेश बोर्ड

परीक्षाओं में नकल के कारण बदनाम था। पूरा साल परीक्षा में ही निकलता था। सरकार बनते ही मैंने लक्ष्य दिया कि 1 माह में परीक्षा और परिणाम दोनों आए। 15 दिन के भीतर परीक्षा हुई और 14 दिन के भीतर परिणाम घोषित किया गया। पारदर्शिता से परीक्षा कराई गई सामान्य प्रश्न पत्र बनाया गया और सामुदायिक नकल पर छात्रों की बजाय प्रबंधकों अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। एक डीआईओएस को जेल में डालना पड़ा।उन्होंने कहा कि नकल माफिया वास्तव में शिक्षकों की मेहनत पर डकैती है। यह पूरी तरह रुकनी ही चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1,62,000 शिक्षकों की नियुक्ति हुई। 1,33,000 विद्यालय कायाकल्प में विकसित किये गए। यही जन सहभागिता माध्यमिक शिक्षा विभाग भी चाहेगा तो जरूर होगा। पुरातन छात्रों के सम्मेलन के माध्यम से जन सहभागिता की जाए। कोई लाइब्रेरी बनवा सकता है तो कोई स्मार्ट क्लास। हम दो करोड़ युवाओं को टेबलेट दे रहे हैं ताकि ये तकनीक से जुड़ सकें।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस बार अभ्युदय कोचिंग से 23 बच्चे आईएएस में 98 बच्चे पीसीएस में चुने गए । भेदभाव नहीं किया गया। हमने यूपी बोर्ड के साथ–साथ सभी बोर्ड के बच्चों को पुरस्कृत किया है क्योंकि यूपी में पढ़ने वाला हर बोर्ड का बच्चा प्रदेश का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पुस्तक एग्जाम वॉरियर को भी बच्चों को दिया जाए। नई शिक्षानीति एक नया अवसर है उसका लाभ सभी को उठाना चाहिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावियों व उनके माता–पिता को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्हें एक–एक लाख रुपये का पुरस्कार भी दिया। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य स्तर पर शीर्ष पांच स्थान पाने वाले यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई व आईसीएसई के सर्वोच्च 10–10 मेधावियों को मिलाकर 141 मेधावियों व उनके माता–पिता को सम्मानित किया।

अमित शाह ने रद्द किया तेलंगाना दौरा, गुजरात के लिए हो सकते हैं रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि चक्रवात बिपारजॉय के कारण अमित शाह की स्थिति की समीक्षा करने की आवश्यकता के कारण उनकीकी तेलंगाना यात्रा रद्द कर दी गई है। माना जा रहा है कि अमित शाह खुद गुजरात के लिए रवाना हो सकते हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का तेलंगाना दौरा रद्द कर दिया गया है। अमित शाह खुद चक्रवात की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। गुजरात पर बिपारजॉय चक्रवात का प्रभाव अधिक है। इस वजह से उनका तेलंगाना दौरा रद्द कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि चक्रवात बिपारजॉय के कारण अमित शाह की स्थिति की समीक्षा करने की आवश्यकता के कारण उनकीकी तेलंगाना यात्रा रद्द कर दी गई है। माना जा रहा है कि अमित शाह खुद गुजरात के लिए रवाना हो सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की 17 जून को होने वाली ओडिशा यात्रा को चक्रवात बिपारजॉय के कारण हुई असाधारण स्थिति के मद्देनजर रोक दिया गया है। भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए, राज्य भाजपा महासचिव पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा

कि केंद्र सरकार चक्रवात बिपारजॉय से उत्पन्न स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री बेहद व्यस्त हैं क्योंकि गुजरात में स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है और चक्रवात के कारण नुकसान को कम करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।अमित शाह बृहस्पतिवार को सुपरहिट फिल्म निर्माता एस. एस. राजामौली से मुलाकात करने वाले थे, जो 'आरआरआर' और 'बाहुबली' जैसी फिल्मों के निर्देशक हैं। शाह बुधवार रात को विशेष विमान से हैदराबाद पहुंचते और बृहस्पतिवार को वह हैदराबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर खम्मम में एक जनसभा को संबोधित करने वाले थे। उनका तेलंगाना दौरा भाजपा के एक महीने तक चलने वाले 'महा जनसंपर्क अभियान' का हिस्सा था।

डैमेज कंट्रोल में जुटी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, एक और विज्ञापन किया गया प्रकाशित

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञापन की टैगलाइन भारत के लिए मोदी, महाराष्ट्र के लिए शिंदे थी। बाद में मुख्यमंत्री ने यह कहते हुए इसे कम करने की कोशिश की कि वह और भाजपा नेता फडणवीस दोनों

ष्लोगों के दिमाग में थे और एक साथ काम कर रहे हैं।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विज्ञापन पर मंगलवार को जारी हुए विवाद के बाद बुधवार को एक और विज्ञापन प्रकाशित किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मंगलवार को एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए एक विज्ञापन जारी किया, जिसमें दिखाया गया था कि शिंदे राज्य के शीर्ष राजनीतिक पद के लिए अपने डिप्टी देवेंद्र फडणवीस की तुलना में सबसे लोकप्रिय पसंद हैं। विज्ञापन की टैगलाइन भारत के लिए मोदी, महाराष्ट्र के लिए शिंदे थी। बाद में मुख्यमंत्री ने यह कहते हुए इसे कम करने की कोशिश की कि वह और भाजपा नेता फडणवीस दोनों ष्लोगों के दिमाग में थे और एक साथ काम कर रहे हैं। आज के विज्ञापन में कहा गया है कि शिवसेना–बीजेपी गठबंधन लोगों की पहली पसंद है। कल सीएम की शिवसेना ने दावा किया था कि राज्य के शीर्ष पद के लिए एकनाथ शिंदे को तरजीह दी जा रही है। वहीं, आज के विज्ञापन में बीजेपी के चुनाव चिन्ह के बाद शिवसेना का चुनाव चिन्ह दिखाया गया है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर है तो दूसरी तरफ शिवसेना के बालासाहेब ठाकरे की भी तस्वीर है।आज के विज्ञापन में एकनाथ शिंदे के साथ देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर भी छपी है। हालांकि, आज के विज्ञापन में सीएम के नेतृत्व वाली शिवसेना ने एक बार फिर गलती की है। सरकार जिस तस्वीर में लोगों का शुक्रिया अदा कर रही है, उसमें सिर्फ शिवसेना के मंत्री हैं, बीजेपी नेताओं को नजरअंदाज किया गया है। महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने कहा कि मैंने आज तक अपने राजनीतिक जीवन में इस तरह का विज्ञापन नहीं देखा जो आज के अखबारों में देखा। विज्ञापन में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम शिंदे की फोटो थी। उन्होंने कहा कि वे (शिवसेना) कहते हैं कि वे बालासाहेब ठाकरे के सैनिक हैं, जबकि विज्ञापन से बालासाहेब ठाकरे और आनंद दीघे की तस्वीरें गायब थीं।

मोदी जी के पिता भी आ जाएं तो, एमपी में कांग्रेस नेता के बिगड़े बोल, बीजेपी ने किया तीखा पलटवार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने कहा कि मोदी जी आ सकते हैं। उनके वरिष्ठ, यदि कोई हों, आ सकते हैं। नड्डा जी वैसे भी यहां आ रहे हैं। मोदी के पापा भी चाहें तो यहां आ सकते हैं, हमें कोई आपत्ति नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणी करके विशेष रूप से चुनावी राज्यों में कांग्रेस नेताओं की तरफ से सेल्फ गोल करने की पुरानी आदत है। इसी श्परंपराश को कायम रखते हुए मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने प्रधानमंत्री के पिता के खिलाफ अपमानजनक और अपमानजनक टिप्पणी की। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष रह चुके अरुण सुभाष यादव ने कुछ ऐसा ही कह दिया है। वहीं बीजेपी नेता से इसको लेकर जब सवाल किए गए तो उन्होंने बीजेपी की जीत का दावा किया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने कहा कि मोदी जी आ सकते हैं। उनके वरिष्ठ, यदि कोई हों, आ सकते हैं। नड्डा जी वैसे भी यहां आ रहे हैं। मोदी के पापा भी चाहें तो यहां आ सकते हैं, हमें कोई आपत्ति नहीं है।

हिंदूवादी बनने की होड़ में कांग्रेस-भाजपा बाकी धर्मों की घोर उपेक्षा कर रहीं : मायावती

संवाददाता

लखनऊ। मायावती ने राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनावों में बसपा के पूरी तैयारी से चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान करते हुए कहा कि जरूरी मुद्दों को लेकर हमारी पार्टी पूरी तैयारी के साथ यहां चुनाव में उतर रही है और चारों राज्यों में चुनाव अभियान भी जारी है।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच हिंदुत्ववादी और हिंदू भक्त होने को लेकर आपस में लड़ाई लड़ने और बाकी सभी धर्मों की घोर उपेक्षा करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही मायावती ने इस साल के अंत में चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ने का ऐलान किया। बसपा प्रमुख ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, भाजपा व कांग्रेस के बीच, दोनों में कौन बड़ा हिंदुत्ववादी व हिंदू भक्त है तथा पूजा पाठ करने में भी कौन ज्यादा माहिर है, इसको लेकर जारी लड़ाई से यह जरूर स्पष्ट है कि ये दोनों पार्टियां हिंदू धर्म को छोड़कर बाकी

सभी धर्मों की घोर उपेक्षा कर रही हैं। इनका यह कृत्य संविधान की मंशा के विरूद्ध है।मायावती ने दावा किया कि बसपा सभी धर्मों का एक बराबर सम्मान करती है क्योंकि देश में यहां अकेले हिंदू धर्म को मानने वाले लोग ही नहीं बल्कि मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी और बौद्ध आदि विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग भी रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश में पिछले कुछ समय से लव जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन आदि कराने को भी लेकर तथा इनकी आड़ में जो अब धार्मिक उन्माद पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है वह ठीक नहीं है। बसपा प्रमुख ने कहा, धार्मिक द्वेष की भावना से ऐतिहासिक स्थलों और उनके रिकार्ड आदि के साथ छेड़छाड़ किया जाना भी ठीक व न्याय संगत नहीं है। इससे आपसी भाईचारा व सद्भाव पर बुरा असर पड़ने के साथ ही कानून–व्यवस्था की बिगड़ती है।उन्होंने महाराष्ट्र के मामले का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र राज्य में भी अब यह सब कुछ देखने को मिल रहा है और वहां की हालात इतनी खराब हो रही है कि राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग जोर पकड़ रही है।मायावती ने राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनावों में बसपा के पूरी तैयारी से चुनाव मैदान में उतरने का ऐलान करते हुए कहा कि जरूरी मुद्दों को लेकर हमारी पार्टी पूरी तैयारी के साथ यहां चुनाव में उतर रही है और चारों राज्यों में चुनाव अभियान भी जारी है। उप्र की कानून–व्यवस्था पर लक्ष्य करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा, उप्र में अब विशेषकर अपराधियों का जो आपस में तांडव चल रहा है, इससे जनता में काफी दहशत व्याप्त है। सरकार को इस ओर जरूर ध्यान देना चाहिए।

नीतीश ने हमें कहा कि पार्टी में आ जाएं या फिर बाहर चले जाएं, बेटे के इस्तीफे पर पहली बार बोले मांझी

एजेंसी

नई दिल्ली। जीतन राम मांझी ने कहा कि हमारी कुछ मांगे थी, हम लगातार अपनी मांग रखते रहे। किसानों को बिजली मुफ्त में देने की बात थी। इसके अलावा शेड्यूल कास्ट की बात थी। लेकिन हमारी बात नहीं मानी गई।बिहार मे नीतीश सरकार से जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बेटे के इस्तीफे के बाद पहली बार जीतन राम मांझी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि मुझे किसी से व्यक्तिगत परेशानी नहीं है लेकिन जनहित के साथ समझौता नहीं होगा। मांझी ने कहा कि हमने अपनी समस्याओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष रहा लेकिन उन्होंने कहा कि पार्टी में आ जाएं या फिर बाहर चले जाएं। मांझी के बेटे का इस्तीफा नीतीश कुमार के लिए विपक्षी एकता की बैठक से पहले बड़ी झटका माना जा रहा है। जीतन राम मांझी ने कहा कि हमारी कुछ मांगे थी, हम लगातार अपनी मांग रखते रहे। किसानों को बिजली मुफ्त में देने की बात थी। इसके अलावा शेड्यूल कास्ट की बात थी। लेकिन हमारी बात नहीं मानी गई। उन्होंने कहा कि हम कुछ बातों को इंप्लीमेंट कराना चाहते थे जिससे कि बिहार का भविष्य बदल सकता था। लेकिन उसे नहीं माना गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में बालू नीति और शराब नीति की वजह से बिहार के वित्त को पूरी तरीके से चौपट कर दिया गया है और गरीब तबके के लोग इससे काफी प्रभावित हुए हैं। हमने इसे विभिन्न मंचों पर उठाया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोग हम ही से सवाल करते थे कि आप क्यों वहां पर मौजूद है। इसी कारण है कि हमने अलग होने का फैसला लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने देखा, परखा तब जाकर यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपने निर्णय को लेकर कहा कि हमने नेशनल काउंसिल की बैठक के बाद यह सब निर्णय लिया है।

विधायकों ने खुद नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। लेकिन तब नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया था कि या तो आप पार्टी में आ जाइए या बाहर चले जाइए। उन्होंने कहा कि चाहे ललन सिंह हो, तेजस्वी यादव हो या नीतीश कुमार हो मुझे किसी से व्यक्तिगत परेशानी नहीं है लेकिन जनहित के साथ समझौता नहीं होगा। बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने अपनी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दल जद (यू) में विलय के लिए ''दबाव'' बनाए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को अचानक कैबिनेट से त्यागपत्र दे दिया। सुमन हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके पास पास अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग था। सुमन के पिता एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके जीतन राम मांझी ने हम पार्टी की स्थापना की थी।

सुमन ने कहा, "मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया है और अपनी बात रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से विजय कुमार चौधरी (जदयू के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री)से मिला हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा।

जीतन मांझी के बेटे का बिहार मंत्रिमंडल से इस्तीफाय जेडीयू ने कहा, उनकी पार्टी महागठबंधन से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सहरसा जिले के एक दलित नेता व जदयू के विधायक रत्नेश सदा को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गया, जिससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि उन्हें सुमन के स्थान पर मंत्रिमंडल मेंशामिल किया जा सकता है।बिहार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) पर उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी द्वारा स्थापित पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) पर विलय के लिए 'दबाव' बनाने का आरोप लगाते हुए राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सुमन के इस्तीफे के तुरंत बाद मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा उसकी स्वीकृति को लेकर जारी अधिसूचना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सत्तारूढ़ महागठबंधन में 'हम' के चार विधायकों का उतना महत्व नहीं रहा है। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जिन्हें सुमन ने अपना इस्तीफा सौंपा था, ने संवाददाताओं से कहा, ''इस्तीफा व्यक्तिगत कारणों की वजह सेसाथ चलने में असमर्थता इंगित करती है।''मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ललन के साथ चौधरी ने कहा, ''इसका स्पष्ट अर्थ है कि हम, जिसके सुमन राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, महागठबंधन का घटक नहीं है।'' तेजस्वी ने बताया कि यह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) था जिसने सुमन को 2018 में बिहार विधान परिषद के लिए निर्वाचित होने में मदद की थी। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री से उन्हें जो सम्मान मिला है, मैं उसका गवाह हूं। मांझी जी को नीतीश जी ने (2014 में) मुख्यमंत्री बनाया था, जिन्होंने ढाई साल पहले अपने बेटे को भी मंत्री बनाया था और बाद में जब 'हम' ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को छोड़कर महागठबंधन में शामिल होने के जदयू के मार्ग का अनुसरण किया तब भी उनके मंत्री पद को बरकरार रखने में मदद की थी।''ललन ने सरकार में अनुसूचित जातिध्जनजाति कल्याण विभाग संभालरहे सुमन के इस तर्क का मजाक उड़ाया कि जदयू उनकी पार्टी का विलय के लिए 'दबाव' बना रही थी। उन्होंने कहा, ''जब दो दल एक साथ गठबंधन करते हैंतो कई विषयों पर बातचीत होती है। निश्चित रूप से, हमारा विचार था कि उनकी पार्टी के छोटे रूप में बने रहने का कोई मतलब नहीं है और वे विलय होने पर ही मजबूत होंगे। लेकिन यह उनके लिए था प्रस्ताव स्वीकार करें या अस्वीकार करें। कोई उन्हें इसके लिए कैसे मजबूर कर सकता था?'' उन्होंने यह भी कहा कि 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक के लिए इस घटनाक्रम से कोई झटका नहीं लगा है। कयास लगाए जा रहे बिहार में यह राजनीतिक उथल पुथल जो पिछले साल अगस्त में महागठबंधन सरकार के गठन के बाद से किसी मंत्री के तीसरे इस्तीफे के रूप में सामने आया है, ने मंत्रिमंडल के विस्तार की नई मांग को जन्म दिया है।इससे पहले राजद कोटे से दो मंत्रियों कार्तिक कुमार और सुधाकर सिंह ने अलग–अलग कारणों से इस्तीफा दे दिया था। सहरसा जिले के एक दलित नेता व जदयू के विधायक रत्नेश सदा को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गया, जिससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि उन्हें सुमन के स्थान पर मंत्रिमंडल मेंशामिल किया जा सकता है। कांग्रेस महागठबंधन की तीसरी सबसे बड़ी घटक है, और वह उम्मीद करती है कि मंत्रिमंडल में मौजूदा दो स्थानों के अलावा कम से कम एक और सीट मिलेगी। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान'पीटीआई–भाषा' से कहा,''कैबिनेट विस्तार कुछ समय के बाद होने की उम्मीद है और जब भी यह होगा, यह सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अच्छा होगा।''हालांकि, तेजस्वी ने इस बारे में पूछे गए सवालों को यह कहते हुए टाल दिया कि मंत्रियों को शामिल करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान में खतरनाक खेल

पाकिस्तान की सेना संभवतरू यह भूल गई है कि जब वहां किसी लोकप्रिय नेता को राजनीति से हटाने की जब कोशिशें हुईं, तो उसके कैसे नतीजे सामने आए। ऐसे कदमों से असंतोष बढ़ा और स्थायी समस्याएं पैदा हुईं। एक बार तो देश का बंटवारा ही हो गया।

अब यह साफ है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सियासी रूप से नष्ट करने में वहां का श्ऐस्टैबलिशमेंट्य (सेनाखुफिया नेतृत्व) फिलहाल सफल हो गया है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) में अब गिने–चुने नेता ही बचे हैं। बाकी नेता ऐस्टैबलिशमेंट का दबाव नहीं झेल पाए, जैसा करना पाकिस्तान में कभी आसान नहीं रहा है। जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1970 के दशक में ऐसा करने की कोशिश की थी, तो उसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी। अब इमरान खान पर भी एक वकील की हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। कई हलकों में इसे भुट्टो कांड की पुनरावृत्ति के रूप में देखा गया है। बहरहाल, इमरान खान के मामले में पाकिस्तान की सेना उस हद तक जाएगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। यह स्पष्ट है कि पीटीआई की सियासी हत्या का काम काफी आगे बढ़ चुका है। पिछले दिनों पार्टी से निकले नेता जहांगीर खान तरीन ने अपनी नई पार्टी बना लीहै। इसका नाम इस्तेहकाम–ए–पाकिस्तान (आईपीपी) रखा गया है।

आम राय है कि में यह पार्टी ऐस्टैबलिशमेंट की शह पर और उसके निर्देशन में बनाई गई है। इसका मकसद इमरान खान को राजनीति से अलग–थलग करना और पाकिस्तान में ऐस्टैबलिशमेंट की मन–माफिक विपक्षी पार्टी का गठन है। आईपीपी में कई ऐसे नेता शामिल हुए हैं, जिन्होंने पिछले एक महीने के दौरान पीटीआई छोड़ी है। यह खेल इतने खुले रूप में खेला जा रहा है कि वहां के कुछ साहसी टीकाकार इसे सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं। उन्होंने यह बताया है कि इमरान खान को यह संदेश दिया गया कि वे या तो खुद को राजनीति से अलग कर लें या अपनी आंखों के सामने अपनी पार्टी नष्ट होती देखें। ऐसा करते हुए ऐस्टैबलिशमेंट यह भूल गया कि पाकिस्तान में लोकप्रिय नेता को राजनीति से हटाने की जब कोशिशें हुईं, तो उसके कैसे नतीजे सामने आए। ऐसे कदमों से असंतोष बढ़ा और स्थायी समस्याएं पैदा हुईं। शेख मुजीबुर रहमान के साथ पहले ऐसी कोशिश हुई थी और फिर भुट्टो के साथ। अब इमरान खान अगले ऐसे नेता बने हैं।

लगातार हार झेल रही कांग्रेस पार्टी के लिए कर्नाटक व हिमाचल में चुनावी जीत एक नई संजीवनी साबित हुई है

रमेश सर्राफ धमोरा

मलिकार्जुन खरगे के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहले हिमाचल और फिर कर्नाटक में कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। जिससे उनके नेतृत्व क्षमता की भी धमक सुनायी देने लगी है। हालांकि कर्नाटक मलिकार्जुन खरगे का गृह प्रदेश है।

कांग्रेस पार्टी के नेता इन दिनों उत्साह से भरे नजर आ रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तो उनका उत्साह देखते ही बनता है। इससे पूर्व दिसम्बर में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा का चुनाव जीता था। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस ने भाजपा की सरकार को हराकर चुनाव जीता है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा है। जिसका लाभ कांग्रेस पार्टी को आगामी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में व 2024 के लोकसभा चुनाव में मिल सकता है।

2014 के बाद लगातार हार पर हार झेल रही कांग्रेस पार्टी के लिए कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में चुनावी जीत एक नई संजीवनी साबित हुई है। अब कांग्रेस की राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक में सरकार बन गई है। वही झारखंड, बिहार व तमिलनाडु में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है। इस तरह से देखे तो कांग्रेस देश के सात प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को कुछ खास सफलता नहीं मिली थी। इस दौरान कांग्रेस पार्टी बहुत से राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का कर्नाटक में भारी बहुमत से जीतना पार्टी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मलिकार्जुन खरगे के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहले हिमाचल और फिर कर्नाटक में कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। जिससे उनके नेतृत्व क्षमता की भी धमक सुनायी देने लगी है। हालांकि कर्नाटक मलिकार्जुन खरगे का गृह प्रदेश है। जहां उन्होंने कई दशकों तक राजनीति की है। खरगे कर्नाटक के हर क्षेत्र व हर स्थिति से वाफिक है। जिसका फायदा उन्हें कर्नाटक के विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में भी मिला। मलिकार्जुन खरगे वर्षों से कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते उनके पास मुख्यमंत्री बनने का सुनहरा अवसर था। मगर उन्होंने केंद्र की राजनीति में ही रहना उचित समझा और अपने सुपुत्र प्रियांक खरगे को राज्य सरकार में मंत्री बनवा दिया।कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत से कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मनोबल तो ऊंचा हुआ है। इसके साथ ही दोनों प्रदेशों में आने वाले समय में कांग्रेस को राज्यसभा सीटों का भी फायदा मिलेगा। कर्नाटक में तो कांग्रेस ने भारी बहुमत हासिल किया है। ऐसे में उनकी राज्यसभा सीटें भी बढ़कर दोगुनी से अधिक हो जाएगी। इसके साथ ही कांग्रेस को कर्नाटक विधान परिषद में भी बहुत सीटों का लाभ मिलेगा।देश में विपक्ष की राजनीति में हाशिए पर चल रही कांग्रेस पार्टी कर्नाटक चुनाव में जीत के बाद विपक्षी राजनीतिक में केन्द्रीय भूमिका में आ गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश के सभी भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों की 12 जून को पटना में एक मीटिंग का आयोजन किया था। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे व राहुल

गांधी ने शामिल होने में असमर्थता प्रकट की थी। उस कारण से नीतीश कुमार ने 12 जून की मीटिंग को स्थगित कर उसके स्थान पर 23 जून को आयोजित कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में जीत के कारण ही ऐसा कर पाई है।देश में विरोधी दलों को एक करने के प्रयास में लगे नीतीश कुमार को भी अच्छे से पता चल गया है कि कांग्रेस के बिना भाजपा विरोधी दलो को एक मंच पर लाना मुश्किल ही नहीं असंभव है। इसीलिए नीतीश कुमार स्वयं दिल्ली आकर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से व्यक्तिगत मुलाकात कर विपक्षी एकता को सिरे चढ़ाने की अपील कर चुके हैं। कांग्रेस पार्टी वर्षों से यूपीए गठबंधन चला रही है। जिसमें काफी संख्या में विरोधी दल शामिल है।

हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री व भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, बसपा अध्यक्ष मायावती, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी जैसे नेताओं को आज भी कांग्रेस से परहेज है। इन सभी नेताओं का अपने–अपने प्रदेशों में व्यापक जनाधार है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल जैसे प्रदेशों में कांग्रेस की वहां के सत्तारूढ़ दलों से सीधी टक्कर है। इस कारण वहां सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दलों से कांग्रेस का समझौता होना मुश्किल है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पिछले दिनों कहा था कि जिस प्रदेश में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव है वहां कांग्रेस को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। ऐसे में तो कांग्रेस बहुत कम क्षेत्र में सिमट कर रह जाएगी। इसका प्रतिवाद करते हुए लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी से किसी भी तरह का गठबंधन करने से इनकार कर दिया था।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस से समर्थन मांग रहे हैं। मगर कांग्रेस के ही बहुत से वरिष्ठ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को किसी भी प्रकार का साथ देने का विरोध किया है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि केजरीवाल कांग्रेस के वोटों को हथिया कर मजबूत हो रहा है। कांग्रेस के नेता भाजपा विरोधी दलों के गठबंधन में भी प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी का नाम आगे कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी आज भी लोकसभा व राज्यसभा में सबसे बड़ा दल है। देश के अधिकांश प्रदेशों में उनका प्रभाव है। ऐसे में यदि सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा को हरा देते हैं तो प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सबसे उपयुक्त दावेदार होंगे। यदि विपक्षी दल इस बात पर सहमत है तो हम साथ आ सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिस तरह से कर्नाटक में धुआंधार चुनाव प्रचार किया गया था। उसके उपरांत भी कांग्रेस पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की थी। उसके बाद से विपक्षी दलों को लगने लगा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्लैमर अब ढ़लान पर है। ऐसे में उनके सामने प्रधानमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार को मैदान में उतारा जाए तो उनको आसानी से हराया जा सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के सामने विपक्ष के सबसे मजबूत प्रत्याशी हो सकते हैं। अब देखना होगा कि आगामी 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की मीटिंग में क्या निर्णय लिया जाता है और उस मीटिंग से देश की राजनीति में कितना बदलाव हो सकेगा। उस पर ही विपक्षी एकता की बात निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विरोधी दलों को लोकसभा चुनाव तक प्रधानमंत्री के चेहरे पर चर्चा ना कर भाजपा को हराने पर मंथन करना चाहिये। तभी विरोधी दल एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतर पाएंगें व देश की जनता को भी भरोसा दिला पाएंगे कि यदि भाजपा हारती है तो विपक्षी दलों की तरफ से देश को एक सशक्त व टिकाऊ सरकार मिलेगी।

क्या राजस्थान, मप्र, छतीसगढ़ में कांग्रेस जीतेगी?

हरिशंकर व्यास

सवाल पर जरा मई 2024 की प्रधानमंत्री मोदी की चुनावी परीक्षा के संदर्भ में सोचें। तो जवाब है कतई नहीं। इन राज्यों में कांग्रेस को लोकसभा की एक सीट नहीं मिलनी है। मई 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी के लिए आखिरी, जीवन–मरण का, मरता क्या न करता के एक्सट्रीम दावों का है। तब भला दिसंबर के तीन विधानसभा चुनावों में वे कैसे इन तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनने देंगे? खासकर राजस्थान और छतीसगढ़ में, सत्ता में रहते हुए कांग्रेस का दुबारा जीतना! यों इन तीन राज्यों में भाजपा कुछ अहम चेंज करने वाली है। उसकी टाइमलाइन अनुसार सचिन पायलट का फैसला होने वाला है। सीबीआई–ईडी की कार्रवाईयां होने वाली हैं। लेकिन पिछले दस दिनों में मोदी–शाह–नड्डा के सोच–विचार तथा पार्टी की अपनी अंदरूनी फीडबैक के बाद तीनों राज्यों में भाजपा के आला मंत्रियों–सांसदों, संगठन मंत्रियों की जिलावार जो सक्रियता बनती दिख रही है तो अपना मानना है कि कर्नाटक चुनाव के बाद राहुल गांधी भले मध्य प्रदेश में रिकार्ड जीत की बातें करें, भाजपा तीनों राज्यों में कांग्रेस की चुनावी हवा नहीं बनने देगी! कैसे? तो नोट करें इन बातों पर– 1. विधानसभा चुनावों को भाजपा राष्ट्रीय शक्ल देने वाली है। कुछ जानकारों का कयास है कि मोदी ऐसा हल्ला बनाएंगे कि लोकसभा चुनाव सहित आगे–पीछे के विधानसभा चुनाव फरवरी–मार्च में एक साथ कराएं। मैं इसे फालतू मानता हूं। हां, यह संभव है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़, तेलंगाना तथा मिजोरम के पांच चुनावों के साथ अपनी सरकारों के प्रदेशों अरूणाचल प्रदेश, हरियाणा तथा आंध्र प्रदेश व सिक्किम की सरकारों को मना कर नौ विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं। नौ में से एक–आधे राज्य में भाजपा हार भी जाए तो मोटा–मोटी जीतने की हवा तो भाजपा की! सो, लोकसभा की 86 सीटों पर एक साथ विधानसभा चुनाव। 2.– कांग्रेस और कांग्रेस मुख्यमंत्रियों को ईडी–सीबीआई के छापों से केंद्र इतना खाली बना देगी कि न ये अपने को प्रोजेक्ट कर पाएंगे और न मीडिया–सोशल मीडिया में उनके प्रादेशिक मुद्दों, चेहरों, काम और वादों का हल्ला बन सकेगा। 3. विधानसभा चुनाव के प्रादेशिक चेहरों मतलब मुख्यमंत्री या कमलनाथ, हुड्डा, शिवराज, गहलोत, बघेल आदि की चुनाव में खास चर्चा ही नहीं होने दी जाएगी। 4. सबसे बड़ी बात नरेंद्र मोदी अपनी विश्व नेता, दशहरा–दुर्गापूजा–दीपावली के मौकों पर अयोध्या में जगमग, विंध्यवासिनी कॉरिडोर उद्घाटन, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तैयारी जैसी सक्रियता से खुद चुनावों की धुरी बने होंगे।

कह सकते हैं ऐसा मोदी ने कर्नाटक में भी किया था तो राजस्थान, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ में क्या गारंटी की मोदी फ्लॉप नही हों! ठीक दलील है। दिक्कत यह है कि चुनाव हिंदीभाषी प्रदेशों में है। दूसरी बात कर्नाटक में कांग्रेस संगठन, प्रदेश नेताओं की संख्या दमदार और असरदार थी। वही राजस्थान में अकेले अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश में कमलाथ तथा छतीसगढ़ में भूपेश बघेल की ऊंगली पर कांग्रेस का पर्वत है। तीनों राज्यों में वोट आधार लिए कुछ कांग्रेसी नेताओं को भाजपा तोडने वाली है। मोदी–शाह की रणनीति में नई दिक्कत सिर्फ यह है कि दलित–आदिवासी–मुस्लिम वोट शिद्दत से कांग्रेस से जुड़ते हुए हैं उससे गहलोत–कमलनाथ और भूपेश बघेल के अनुकूल हवा बनेगी। लेकिन राजस्थान में भाजपा गुर्जर–जाट–आदिवासी–मीणा का नया सियासी एलायंस बनाने की जुगाड़ में है। वही मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ में नरेंद्र मोदी खुद डेरा डालकर पिछड़ा कार्ड चलाने वाले हैं। तीनों प्रदेशों में भाजपा के कई इक्के हैं। भाजपा के अंदरूनी आकलन में राजस्थान व छतीसगढ़ दोनों जगह मंत्रियों, विधायकों के खिलाफ एंटी इन्कम्बेंसी जबरदस्त है।हां, कर्नाटक बनाम राजस्थान, छतीसगढ़ का सबसे बड़ा फर्क यह है कि इन दो राज्यों में कांग्रेस सत्ता में है। दोनों में गहलोत व बघेल की प्रभावी इमेज मंत्रियों–विधायकों के खिलाफ माहौल से अधिक ताकतवर नहीं है। मतलब लोग मंत्रियों–विधायकों के चेहरे को भुलाकर अकेले गहलोत, बघेल के चेहरे पर ही वोट डालें, यह मुमकिन नहीं है। भाजपा ने राजस्थान के एक–एक जिले को केंद्रीय मंत्री– चुनावी गणित के जानकार के सुपुर्द किया है। कल ही किसी ने बताया कि पीयूष गोयल–पूनम महाजन अलवर जा कर जिले की तैयारी व मूड बूझेंगे।

संघ संगठनों, भाजपा, आईटी सेल की तैयारी, सर्वेक्षण टीमों के सर्वे लगातार होते हुए हैं। राजस्थान में भाजपा की सुपर हिट रणनीति यही रही जो कांग्रेस और सीएम गहलोत को घेरने के लिए सचिन पायलट का फच्चर बनवाए रखा। इसी में गहलोत पूरे चार साल उलझे रहे। उन्हें अपने एक–एक मंत्री, एमएलए को अपने–अपने जिले, इलाके का मुख्यमंत्री सा बनाना पड़ा। इन्हीं की हर जिले में चली। कांग्रेसियों में ही परस्पर खुन्नस बनी। तभी लोग और खुद जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता विधायक–मंत्रियों की मनमानी–दादागिरी के खिलाफ वोट देते हुए, उनकी जमानत जब्त करवाते हुए हों तो आश्चर्य नहीं होगा। संभव नहीं लगता कि ऐसी घनघोर एंटी इन्कम्बेंसी को बूझते हुए खडगे, राहुल गांधी, गहलोत कांग्रेस के मौजूदा 107 विधायकों में आधे के भी टिकट काट पाएं जबकि 107 में बहुसंख्यक कांग्रेसी एमएलए एंटी इन्कम्बेंसी–बदनामी में हारने वाले हैं। ऐसी ही एंटी इन्कम्बेंसी का भाजपा छतीसगढ़ में भी हिसाब लगाए हुए है। बहरहाल, माइक्रो रियलिटी का असल हिसाब सितंबर में लगेगा।

ब्रिटेन में भी ट्रंप जैसा बोरिस का हल्ला

श्रुति व्यास

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति इन दिनों जिस मोड़ पर है, वह जितनी दिलचस्प है उतनी ही चिंताजनक भी। एक ओर डोनाल्ड ट्रंप है, जो मुकदमों का सामना करते हुए भी रिपब्लिकन पार्टी और उसके मतदाताओं के दिलों पर राज कर रहे हैं। उनके दुबारा व्हाईट हाउस पहुंचने की चर्चा आम है। इसका अमेरिकी लोकतंत्र और दुनिया में उसके दबदबे पर असर पड़ेगा। दूसरी ओर इंग्लैंड के ट्रंप हैं बोरिस जॉनसन। वे भी भीड़ में जोश और उन्हे बहकाने की तरकीबें जानते हैं।उन्होने9 जून की शाम संसद से इस्तीफा दिया।लेकिन हमलावर और प्रतिद्वंद्वियों पर आरोप लगाते हुए। बारिस भी ट्रंप की तरह बेकसूर होने का हल्ला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ब्रेक्सिट का बदला लेने और सन् 2016 के जनमत संग्रह के नतीजों को पलटने के लिए बलि का बकरा ढूंढ़ा जा रहा है।ष मुझे जबरन निशाना बनाया जा रहा है, यह राजनैतिक बदला है, बिना किसी सुबूत मुझे अपराधी करार दिया जा रहा है आदि आदि।

बोरिस जॉनसन के कई झूठ सामने आ रहे हैं। कोविड लाकडाउन के दौरान हुए पार्टीगेट कांड की पार्टी की योजना उन्होंने ही बनाई थी और कानून तोड़ा था। उनके चाल–चलन के बारे में सब जानते ही हैं।श्डेली टेलीग्राफ्च के पूर्व संपादक मैक्स हेस्टिंग्स ने जानसन के प्रधानमंत्री बनने के ठीक पहले कहा था, ष्यह बहस का मुद्दा हो सकता है कि वे बदमाश हैं या केवल कपटी, लेकिन उनका नैतिक दिवालियापन, जिसकी जडें सच्चाई की परवाह न करने की उनकी प्रवृत्ति में है, संदेह से परे है। जॉनसन की जांच कई महीनों से लटकी हुई थी। यह भी एक कारण था जिससे ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। पिछले हफ्ते, संसदीय कमेटी की जांच की रिपोर्ट को जॉनसन से साझा किया गया। इसे अभी प्रकाशित नहीं किया गया है परन्तु इसमें जॉनसन पर गंभीर आरोप लगाये गए हैं। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार इस जांच में जो सामने आया है, उसके चलते जॉनसन को दस दिन से अधिक के लिए संसद से निलंबित किया जा सकता था। इसका संभावित परिणाम हो सकता था लंदन के उपनगरीय संसदीय क्षेत्र अक्सब्रिज और साउथ रॉयस्लिप में उपचुनाव। और यह सुरक्षित सीट नहीं है। लेकिन जॉनसन दो कदम और आगे चले गए। शायद उनमें असुरक्षा का भाव है या खबरों में रहने, और बदनामी का डर। जो भी हो, इस्तीफा देने के बाद जॉनसन अपनी पार्टी के नेताओं की आलोचना करने लगे हैं। उनके अनुसार, रिमेनर्स (वे लोग जो चाहते थे कि ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन में बना रहे) का एक गुट उन्हें सत्ता से बाहर करने पर आमादा था। लेकिन संसद के गलियारों में जानसन के पतन की कहानी खुद जानसन ने ही लिखी है। ट्रंप के विपरीत, जॉनसन को बिल्कुल पसंद नहीं किया जाता। उन्हें अब ब्रिटेन के सबसे घटिया प्रधानमंत्रियों में से एक माना जाता है, उन्हें एक कलंक बताया जाता है, जिसके कारण डाउनिंग स्ट्रीट की बदनामी हुई।श्द इकोनोमिस्ट्य के अनुसार आकंड़ों से पता चलता है कि उनकी लोकप्रियता उतनी ही है जितनी कि चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग की। इसलिए सत्ता में उनकी वापसी उनके अंधभक्तों के अलावा सभी को एक बेतुका सपना लगती है।

लेकिन सभी समकालीन लोकलुभावन नेताओं की तरह वे जानते हैं कि समाचारों और चर्चाओं के केन्द्र में कैसे रहा जा सकता है। वे दिलचस्प ढंग से व्यवहार करते हैं और उनकी बातें मजेदार होती हैं। परन्तु उनके आलोचकों का मानना है कि प्रजातान्त्रिक ढंग से चुने गए नेताओं पर उनके हमले घोर अप्रजातांत्रिक हैं और उनका कार्यकाल घिनौना और भ्रष्ट था।

जॉनसन की विदाई से एक और चर्चा शुरू हो गयी है। और वह यह कि ब्रिटेन में एक नयी दक्षिणपंथी पार्टी उभर सकती है। इन कयासों को पिछले कुछ हफ्ध्तों से पंख लग गए हैं। कंजरवेटिव पार्टी की2019 में हुई जीत के रणनीतिकार डोमिनिक कम्मिंग्स ने अपनी कई पोस्टों में यह बताया है कि वे किस तरह नयी पार्टी का गठन करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि ब्रिटिश राजनीति में एक ऐसी नयी पार्टी के लिए जगह है जो आर्थिक मुद्दों पर वामपंथी हो और सामाजिक मसलों में दक्षिणपंथी। अगर जनता इस कमी को पूरी करने वाली पार्टी का स्वागत करती है तो इस बात की सम्भावना है कि जॉनसन जीत जाएं। जॉनसन का यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री बनना भी एक अकस्मात घटनाक्रम था। वे ब्रेक्सिट के मुद्दे पर हुई ड्रामेबाजी की लहर पर चढ़कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचे थे। अगर वे देश के मुखिया न होते तो शायद यूरोपियन यूनियन से बाहर निकलने का ब्रिटेन का अभियान सफल नहीं हुआ होता। बहुत कम ऐसे प्रधानमंत्री होंगे जो ब्रिटेन को यूरोपियन यूनियन से बाहर लाने के लिए संवैधानिक दृष्टि से संदिग्धा तिकड़में भिड़ाते रहे। जैसे संसद को गलत ढंग से सस्पेंड करना और अपनी ही पार्टी के 21 सांसदों को पार्टी से बाहर कर देना।बावजूद इसके जॉनसन ने2019 में जो जीत हासिल की वह मार्गरेट थेचर जितनी ही बड़ी थी।

ब्रिटिश मीडिया जॉनसन को दुनिया में देश की इज्जत और विरासत को मिट्टी में मिलाने वाला बता रहा है, विशेषकर ब्रेक्सिट मसले को लेकर। परन्तु जॉनसन को नहीं लगता कि उनका समय समाप्त हो गया है। वे ट्रम्प की तरह तीखी और असभ्य भाषा का उपयोग करके एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने का प्रयास करेंगे। यह ऋषि सुनक, कंजरवेटिव पार्टी और ब्रिटिश प्रजातंत्र तीनों के लिए चुनौती है।

राष्ट्रीय लोकदल 2024 में किधर जायेगा, अटकलों का बाजार गरम

स्वदेश कुमार

कहा जा रहा है कि लोकसभा में रालोद और कांग्रेस साथ आ सकते हैं। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह चर्चा और पुख्ता हो रही है। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी कहते हैं कि कांग्रेस के साथ राजस्थान में तो रालोद खड़ी ही है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ताकतवर राजनैतिक घराने की तीसरी पीढ़ी इस समय अपनी सियासी साख बचाने के लिए छटपटा रहा रही है। कभी भारतीय लोकदल के बैनर तले अपनी हनक और धमक दिखाने वाले किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एवं उससे पूर्व दो बार यूपी की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हो चुके चौधरी चरण सिंह और उसके बाद उनके पुत्र पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजित सिंह जिन्हें लोग छोटे चौधरी के नाम से लोग बुलाते थे कि मृत्यु के बाद जब से राष्ट्रीय लोकदल की कमान जयंत चौधरी के हाथ आई है तब से राष्ट्रीय लोकदल का वजूद संकट में आ गया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में तय मानक से कम वोट प्रतिशत मिलने के कारण पार्टी की मान्यता समाप्त हो गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि इसके बाद भी रालोद 'सियासी डिमांड' कम नहीं हुई है। करीब–करीब सभी बड़े राजनैतिक दल रालोद को अपने खेमें में लाने के लिए उत्साहित नजर आते हैं। आज भी राष्ट्रीय लोकदल सभी पार्टियों की चहेती बनी हुई है तो इसकी वजह है पश्चिमी यूपी में जाट वोटों पर उसकी दमदार पकड़। वेस्ट यूपी में जाट वोटर हमेशा निर्णायक भूमिका में रहते हैं। किसी भी राजनैतिक दल को रालोद से गठबंधन करने में परहेज नहीं रहता है तो रालोद भी मौके की नजाकत भांप कर किसी भी पार्टी के साथ समझौता करने को तैयार रहता है। ऐसा ही अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में भी होता दिख रहा है। आम चुनाव की सुगबुगाहट सुनाई पड़ते ही रालोद को लेकर अटकलों का बाजार गरम हो गया है। फिलहाल तो रालोद का समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन है लेकिन 2024 के आम चुनाव तक यह बना रहेगा इसकी संभावनाएं काफी कम हैं क्योंकि रालोद को इस बार सपा के मुकाबले कांग्रेस ज्यादा मुफीद नजर आ रही है। जिसके साथ वह खुलकर मोलभाव कर सकता है। वहीं बात भाजपा की कि जाए तो भाजपा के इंटरनल रिपोर्ट बात रही है कि यदि वह पूरब में ओम प्रकाश राजभर और पश्चिमी यूपी में रालोद से गठबंधन कर लेती है तो उसकी जीत की राह आसान हो सकती है। भाजपा को राजभर और जयंत चौधरी की पार्टी से गठबंधन की सूरत में सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि वह (भाजपा) जिन मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर नहीं जीत पाती है, वहां वह पश्चिम में रालोद या पूर्वी यूपी में राजभर के सहारे अपनी नैया पार लगा सकती है। रालोद की अच्छी खासी पकड़ जाट वोटरों के अलावा मुस्लिम वोटरों पर भी है। इसके मजबूत करने के लिए रालोद आज तक अभियान भी चलाए हुए है। रालोद ने यूं तो सभी धर्मों, वर्गों को साथ जोड़ने की बात कहकर अभियान की शुरूआत की, पर इसका फोकस खास तौर से मुस्लिमों पर है। यह भविष्य को पुख्ता करने की भी कवायद है ताकि यदि लोकसभा चुनाव तक सपा से राह अलग हो तो मुस्लिम उसके साथ ही रहें।

गौरतलब हो 2022 में सपा व रालोद ने विधानसभा चुनाव साथ लड़ा था। भले ही यह गठबंधन सत्ता की सीढ़ियां नहीं चढ़ पाया हो, पर रालोद को इसका खूब लाभ हुआ था। वह एक सीट से बढ़कर आठ तक पहुंच गया। बाद में खतौली उपचुनाव जीतकर संख्या नौ पहुंच गई। हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों में मनमुटाव हुए तो कई जगह सपा व रालोद ने अपने अपने प्रत्याशी उतार दिए। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने निकाय चुनाव में न तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ मंच साझा किया और न ही साथ में प्रचार में किया। हालांकि बाद में दोनों ने कहा कि क्षेत्रीय चुनाव में कार्यकर्ताओं को लड़ने की छूट दी गई थी।

पश्चिमी यूपी में आज के सियासी मिजाज की बात की जाए तो यहां मुस्लिमों को सपा का मजबूत वोटर माना जाता है। पश्चिमी उप्र में मुजफ्फरनगर दंगे से पहले रालोद के साथ यही स्थिति थी। मुस्लिम वोटर उसके साथ थे। इसके बाद जाट–मुस्लिम समीकरण बिखरा तो सपा–रालोद गठबंधन ने फिर से जोड़ने का कार्य किया। अब रालोद के रणनीतिकारों को लग रहा है कि यदि लोकसभा चुनाव 2024 तक उनका सपा से गठबंधन टूटा तो स्थिति फिर खराब हो सकती है। ऐसे में पार्टी कोई चूक नहीं करना चाहती है। यही कारण है कि उसने 'समरसता अभियान' चला रखा है। यह और बात है कि पार्टी की ओर से यही कहा जा रहा है कि यह अभियान सभी जाति, धर्म एवं समाज के हर वर्ग को जोड़ने के लिए है, पर असल उद्देश्य कुछ और ही है।अभियान का पहला चरण पूर्व मंत्री स्व. चौधरी अजित सिंह के जन्मदिन 12 फरवरी से शुरू किया गया था। 19 मई से शुरू दूसरा चरण को जून मध्य तक ले जाने की बात कही जा रही है। तीसरा चरण जुलाई में शुरू करने की तैयारी है। इसके तहत जयंत चौधरी ने 100 से ज्यादा गांवों को अपने लिए रखा है।कहा जा रहा है कि लोकसभा में रालोद और कांग्रेस साथ आ सकते हैं। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह चर्चा और पुख्ता हो रही है। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी कहते हैं ।

कि कांग्रेस के साथ राजस्थान में तो रालोद खड़ी ही है। भरतपुर में रालोद के विधायक का कांग्रेस को समर्थन है। ऐसे में किसी से कोई गुरेज थोड़े ही है। वैसे भी अभी सपा, रालोद का सबसे मजबूत गठबंधन है और बाकी को इसके पीछे चलना चाहिए। बात 17 वीं लोकसभा के गठन के लिए अप्रैल–मई 2019 के बीच सात चरणों में हुए थे। 23 मई को काउंटिंग हुई थी। साल 2024 में इन्हीं तिथियों के आसपास फिर से चुनाव होने की संभावना है, ऐसे में सियासी दलों ने तैयारी शुरु कर दी है। पश्चिम में छह मंडल मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़, बरेली हैं। इनमें 27 लोकसभा और 136 विधानसभा सीटें हैं जिसमें मेरठ, सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल में 14 लोकसभा सीटे हैं। यहां 7 पर बीजेपी जीती थी और 7 सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, संभल, रामपुर सीट पर विपक्ष जीता था। वैसे भाजपा के पास वर्तमान में आठ सीटें हैं और छह सीट विपक्ष के पास बची हैं।

बीजेपी लोकसभा उपचुनाव में रामपुर सीट हाल में जीत चुकी है, इसके अलावा आगरा–अलीगढ़ और बरेली मंडल की कुल 13 लोकसभा सीटें हैं। इनमें से भाजपा के पास 12 और एक मैनपुरी सीट विपक्ष के पास है. यानी बीजेपी के पास फिलहाल 27 में से 20 सीटें हैं। वहीं रालोद की बात करें तो 2022 विधानसभा चुनाव में 33 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से 8 पर जीत हासिल की। इसके अलावा खतौली उपचुनाव जीत कर कुल 9 विधायक हो गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा–बसपा के साथ मिलकर पार्टी ने दांव खेला था। रालोद के खाते में जाटों के दबदबे वाली बागपत, मुजफ्फरनगर और मथुरा सीटें आई, लेकिन तीनों पर गठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ा था।

अनमोल जीवन को बचाने के लिए करें रक्तदान: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदाताओं का कुलपति ने किया सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में बुधवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं की जांच की गई इसके बाद उनका रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया।

उन्होंने रक्तदाताओं को बुके, फल और प्रमाणपत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया। यह कार्यक्रम ड्रग एडिक्शन एंड रिहैविटेशन सेंटर, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। राजभवन ने 100 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा था। विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों ने लक्ष्य पार करके 111 यूनिट रक्तदान किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि जीवन अनमोल है। जीवन बचाने के लिए हम सभी को रक्तदान करना चाहिए। यह बहुत नेक कार्य है। किसी व्यक्ति को रक्त देकर जान बचाने वाला भी डाक्टर के बराबर ही सम्मान का हकदार है। उन्होंने कहा कि आप सभी रक्तदान करके मरीज और डाक्टर दोनों की मदद कर सकते हैं। अतिथियों का स्वागत डा. विनय वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस समन्वयक डा. राजबहादुर यादव ने किया। शिविर में कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, डा. मनोज मिश्र, प्रो. राकेश कुमार यादव, ड़ा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. मनोज पांडेय, डा. अवधेश मौर्या, स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डा. पुनीत कुमार सिंह, सुशील प्रजापति, रजनीश सिंह, डा. सिद्धार्थ शंकर सिंह, डा. ओम प्रकाश चौरसिया, अब्दुर्हमान, महामंत्री रमेश यादव आदि उपस्थित थे।

विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदाताओं का कुलपति ने किया सम्मान

धनंजय विश्वकर्मा क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में बुधवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं की जांच की गई इसके बाद उनका रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया।

उन्होंने रक्तदाताओं को बुके, फल और प्रमाणपत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया। यह कार्यक्रम ड्रग एडिक्शन एंड रिहैविटेशन सेंटर, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। राजभवन ने 100 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा था। विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों ने लक्ष्य पार करके 111 यूनिट रक्तदान किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि जीवन अनमोल है। जीवन बचाने के लिए हम सभी को रक्तदान करना चाहिए। यह बहुत नेक कार्य है। किसी व्यक्ति को रक्त देकर जान बचाने वाला भी डाक्टर के बराबर ही सम्मान का हकदार है। उन्होंने कहा कि आप सभी रक्तदान करके मरीज और डाक्टर दोनों की मदद कर सकते हैं। अतिथियों का स्वागत डा. विनय वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस समन्वयक डा. राजबहादुर यादव ने किया। शिविर में कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, डा. मनोज मिश्र, प्रो. राकेश कुमार यादव, ड़ा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. मनोज पांडेय, डा. अवधेश मौर्या, स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डा. पुनीत कुमार सिंह, सुशील प्रजापति, रजनीश सिंह, डा. सिद्धार्थ शंकर सिंह, डा. ओम प्रकाश चौरसिया, अब्दुर्हमान, महामंत्री रमेश यादव आदि उपस्थित थे।

डायट जौनपुर में हर घर - आँगन योग का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर में निपुण भारत मिशन (G– 20) जनभागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह हर घर–आँगन, योग का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आयोजक एवं उपशिक्षा निदेशक डॉ. राकेश सिंह ने मां सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्य जी द्वारा बताया गया कि वैदिक काल से ही स्वस्थ्य जीवन शैली और तनावमुक्त जीवन के लिए योग अनिवार्य हैं तथा योग का मतलब जोड़ बताया और कहा कि जीवन में अच्छी चीजों को जोड़ना ही योग है । अतः आप सभी जीवन में हमेशा अच्छी चीजों को जोड़ते रहे स जौनपुर के योग गुरु अचल हरिमूर्ति ने योग द्वारा आत्मविश्वास में वृद्धि करने का मंत्र साझा किया। कार्यक्रम प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया योग शरीर को ऊर्जावान रखने में मदद करता है । सह संयोजक एवं प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवींद्रनाथ ने योग द्वारा मन को एकाग्र कर जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। योग–सप्ताह के आयोजन द्वारा समस्त डायट परिसर योगमय हो रहा है ।

इस अवसर पर समस्त डायट प्रवक्ता, कुलदीप, ह्यूमाना के सभी सदस्य, समस्त पटल सहायक तथा समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

गौरीगंज के मकानों में जल्द पाइपलाइन से मिलेगी रसोई गैस

संवाददाता

लखनऊ। जिला मुख्यालय के शहरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को जल्द ही पाइप लाइन से रसोई गैस पीएनजी (पाइप नेचुरल गैस) की आपूर्ति होगी। नगर पालिका से एनओसी मिलने के बाद भारत पेट्रोलियम सर्वे कर पाइप बिछाने का काम करवा रहा है। पाइप बिछाने का काम पूरा होने के बाद 40 हजार से अधिक आबादी को पाइप लाइन से रसोई गैस मिल सकेगी।बता दें कि 2015 में गौरीगंज कस्बे के नगर पालिका घोषित किया गया। नगर पालिका में दस ग्राम पंचायत व 12 राजस्व गांव शामिल हुए थे। इनमें कटरालाल, माधवपुर, बरनाटीकर, पचेहरी, विशुनदासपुर, राजगढ़, हरखपुर, असैदापुर, बलीपुर खुर्दवा, मिश्रोली, पलिया व चौहान गांव थे। नगर निकाय का गठन होने के बाद से ही शासन यहां रहने वालों को नगरीय क्षेत्र की सुविधाएं देने की कवायद में जुटा है।नई कवायद पाइप लाइन से रसोई गैस की आपूर्ति की चल रही है। बताया जा रहा है कि 40 हजार की आबादी वाले नगर पालिका गौरीगंज के 25 वार्ड के 9,648 मकानों की रसोई तक पाइप लाइन से गैस की आपूर्ति करेगी।कंपनी के कर्मचारियों ने पाइप लाइन बिछाने से पहले घर–घर सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। नामित संस्था के सदस्य वार्डों में घर–घर जाकर इच्छुक व्यक्तियों से फार्म भरवाने के पास सर्वे करने वाले कर्मचारी लोगों के आधार कार्ड व गैस कनेक्शन पासबुक की छायाप्रति भी जमा करा रहे हैं।रसोई गैस की आपूर्ति के लिए प्लांट स्थापित किया जाना है। नगर पालिका के आसपास जमीन की तलाश भारत पेट्रोलियम कर रहा है। नगर पालिका में स्टोरेज प्लांट स्थापित होने तक जगदीशपुर से घर–घर रसोई गैस की आपूर्ति भारत पेट्रोलियम द्वारा की जाएगी। वर्तमान समय में नामित कंपनी घर–घर पर पाइप बिछाने का काम किया जा रहा है। जल्द ही पाइप बिछाने का काम पूरा कर कनेक्शन देते हुए लोगों को सहूलियत दी जाएगी। पेट्रोलियम के अधिकारी जितेंद्र ने बताया कि काम चल रहा है। बिजली बिल की तरह रसोई गैस का मीटर उपभोक्ताओं के मकान पर लगाया जाएगा। उपभोक्ताओं द्वारा दो महीने में जितनी यूनिट रसोई गैस प्रयोग की जाएगी, उसी के अनुसार कंपनी की ओर से बिल देकर भुगतान लिया जाएगा। माना जा रहा है कि इसका खर्च सिलिंडर से कम होगा।

पाइप लाइन पहुंचाने में आने वाला खर्च को कंपनी के मासिक किस्त में वसूल करेगी। घर–घर रसोई गैस के लिए पाइप लाइन बिछाने का काम भारत पेट्रोलियम करा रही है। इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है। पाइप लाइन बिछाते समय नाली, खड़ंजा आदि क्षतिग्रस्त नहीं होने देने व सुरक्षा मानकों का ध्यान रखने को कहा गया है।

जेसीआई जौनपुर ने लगाया बृहद रक्तदान शिविर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ब्लड डोनर डे के अवसर पर जेसीआई जौनपुर नें आई एम ए ब्लड बैंक में वृहद मेगा कैंप आयोजित किया। संस्था अध्यक्ष दिलीप सिंह की अगुवाई में संस्था के तमाम सदस्यों ने रक्तदान किया जिसमें अजय नाथ जायसवाल, गौतम सेठ, आकाश केशरवानी, आशुतोष जायसवाल, अंजनी प्रजापति, सूरज पाठक, कार्तिकेय पाठक, रितुल पाठक, अनिल मौर्य व राज साहू सहित अनेक लोगों ने प्रमुख रूप से रक्तदान देकर मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने बताया की जेसिआई संस्था समेत विश्व भर में आज के दिन बड़ी संख्या में रक्तदान का पुनीत कार्य आयोजित किया जाता जिससे जरूरतमंदों को मदद मिलती है। इसी क्रम में उपस्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक सेठ ने बताया जेसीआई जौनपुर प्रत्येक वर्ष ब्लड डोनर डे एवं जेसीआई सप्ताह के साथ हमेशा जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराती है। मंडल अधिकारी गौरव सेठ ने कहा कि हमारी जेसीआई संस्था पूरे भारत में हर जगह रक्तदान देने के लिए सदैव तत्पर रहती है। क्योंकि जेसीआई कहती है मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। उपस्थित निवर्तमान अध्यक्ष संदीप पाण्डेय, मंडल अधिकारी धर्मेंद्र सेठ पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू ने जेसीआई द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की।

उक्त अवसर पर सचिव आकाश केशरवानी, उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, आरिफ अंसारी, कोषाध्यक्ष विशाल तिवारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत कार्यक्रम निदेशक आशुतोष जायसवाल ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

जनपद के लोगों में काफी खुशी : लेफ्टिनेंट बने पीयूष पांडेय का किया गया नागरिक अभिनन्दन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। सकरौली गांव निवासी युवक पीयूष पांडेय के एनडीए में चयनित होने के बाद चार वर्षीय प्रशिक्षण पूर्ण कर लेफ्टिनेंट के रूप में सेना में क्लास वन अधिकारी का पद प्राप्त करने को लेकर गांव के साथ–साथ जनपद के लोगों में काफी खुशी है। इस खुशी का इजहार करते हुए मित्र परिवार के लोगों ने शिव सत्संग मण्डल आश्रम, हुसेनापुर धौकल गांव में एक अभिनंदन समारोह का आयोजन कर देश के सपूत पीयूष पांडेय का नागरिक अभिनंदन किया। मालूम हो कि सकरौली गांव निवासी विक्रम पांडेय के पौत्र पीयूष ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी–एनडीए कंप्लीट कर, चार वर्ष की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद लेफ्टिनेंट बनने में सफलता प्राप्त की है। एनडीए में सफल होने के बाद 3 वर्ष की ट्रेनिंग एवं ग्रेजुएशन पूरा कर, आईएमए देहरादून में एक वर्ष की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद आयोजित शनिवार को देहरादून पास आउट परेड के दौरान भारतीय थल सेना अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने पास आउट परेड की सलामी ली। उस मौके पर प्रावधान के अनुसार पीयूष पांडेय के पिता पत्रकार आर एल पांडेय एवं माता प्रज्ञा पाण्डेय भी उपस्थित थीं। पास आउट परेड के बाद 21 दिन की छुट्टी में पीयूष अपने घर सकरौली आए हैं। इस बात की जानकारी होने पर मित्र परिवार एवं गांव के लोगों ने अपने आंगन के सपूत का नागरिक अभिनंदन किया। इस मौके पर शिव सत्संग मण्डल के केन्द्रीय संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि पीयूष ने अपने गांव व जनपद को ही नहीं बल्कि पूरे भारत देश को गौरवान्वित किया है। गांव की गलियों में खेला बढ़ा गांव का बेटा क्लास वन सेना पदाधिकारी बन कर अपने मुल्क के सरहद की रक्षा करेगा। यह अपने आप में बहुत ही गौरवान्वित करने की बात है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।इस तरह की उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने पर माता पिता के साथ साथ समाज के लोगों की भी छाती चौड़ी होती है।लेफ्टिनेंट पीयूष के पिता आर एल पांडेय ने कहा कि उन्हें कभी अपने बेटे को बैठकर पढ़ाई करने के लिए नहीं कहना पड़ा। उसकी सफलता स्वतरू प्राप्त की हुई कामयाबी है। उन्होंने कहा कि संकल्प में किसी विकल्प का कोई स्थान नहीं है। एक बार कुछ करने का संकल्प ले लें तो उस पर सुदृढ़ रहकर आगे बढ़ते हुए उसे प्राप्त कर ही दम लें। इस मौके पर अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट पीयूष पांडेय ने अभिनंदन समारोह के आयोजन के लिए ग्राम वासियों एवं मित्र परिवार का आभार व्यक्त किया।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता की प्रेरणा, परवरिश एवं शिक्षकों की पढ़ाई व मार्गदर्शन को दिया। सामूहिक ईश प्रार्थना एवं महिला सत्संग मण्डल प्रमुख उमा द्वारा दीप प्रज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में चित्र गुप्त सेवा धाम के संयोजक अनुराग श्रीवास्तव, शिक्षक नेता प्रभाकर बाजपेई, भाजपा नेता गोपाल त्रिपाठी, क्षेत्र पंचायत सदस्य नवनीत गुप्ता, इन्जीनियर शिवेन्द्र प्रताप सक्सेना, तुषार राजपूत, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, पंकज सिंह,संजीव गुप्ता,शिक्षक अनिल सिंह, आजाद सिंह, अस्मित बाथम, प्रत्यूष पांडेय, उमा सक्सेना,प्रज्ञा पांडेय सहित बड़ी संख्या में सभ्रांत जन मौजूद रहे।

जनता नहीं होने देगी विपक्ष के सपनों को पूराः भूपेंद्र चौधरी

1–भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में जब भी कोई वादा किया तो उसे पूरा किया : भूपेन्द्र चौधरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा जौनपुर के लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रहे और कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने की। बैठक का शुभारम्भ डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर की गई।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा विगत 9 साल में किए गए कार्यों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। उन्होंने सक्रियता और सजगता का मूल मंत्र दिया। साथ ही भाजपा की रीति नीति के साथ संकल्पों को दोहराया और 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटों पर पार्टी की विजय सुनिश्चित करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन की योजना अनुसार कार्य करने का आह्वान किया।लाभार्थी सम्मेलन में भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में जब भी कोई वादा किया तो उसे पूरा किया। उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का महासंपर्क अभियान सबसे बड़ा कार्यक्रम है। इसके जरिए हमें जन–जन तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश दंगाइयों के हवाले था, केंद्र में लूट मची हुई थी। निकाय चुनाव के झटके से विपक्ष कोमा में चला गया। अब वह गठबंधन करने में व्यस्त हैं। चुनाव में विपक्ष जनता को वैचारिक मुद्दे से भटकाने की कोशिश करेगा, लेकिन हमें सतर्क व सावधान रहना है। विपक्ष की मदद विदेशी ताकतें भी कर रही हैं। उसके मूल में विचार भी विदेशी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में पूरे विश्व में बनी है। मोदी जी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में गरीब कल्याण के संकल्प के साथ केन्द्र सरकार ने गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष नित नए गठबंधन बनाकर सत्ता में आने के सपने संजो रहा है। लेकिन जनता विपक्ष के सपनों को पूरा नहीं होने देगी। जनता ने 2024 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनाने के लिए अपना मन बना लिया है। जनता के आशीर्वाद व समर्थन से आगामी लोकसभा के चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिलेगी। राज्य मंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव ने स्वागत भाषण देते हुये कहा कि 2014 के बाद 48 करोड़ लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया। इसके पहले चार करोड़ लोग ही बैंकों से जुड़े थे। वृद्धा पेंशन 500 से एक हजार की गई। पहले की सरकारों में बिचौलिए पेंशन भी खा जाते थे। मोदी ने सीधे बैंक खातों में पेंशन का भुगतान किया। केन्द्र सरकार ने बिना भेदभाव के सभी योजनाओं का लाभ सबको पहुंचाया है। राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि केंद्र में वर्ष 2014 में जब पहली बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी, तो सरकार ने पहले गरीबों के हित में योजनाएं चलाने को सोची इसी कड़ी में आज देश के 125 करोड़ जनसंख्या में 80 करोड़ गरीबों को तीन रुपये चावल और दो रुपये गेहूं मिल रही है। यह सिर्फ केंद्र सरकार से ही संभव हो रहा है। एमएलसी विद्यासागर सोनकर ने कहा कि सरकार ने स्वच्छ भारत का नारा देते हुए साढ़े बारह हजार की लागत से शौचालय बनाने का काम किया है। किसानों को प्रत्येक वर्ष खेती कार्य के लिए केंद्र सरकार ने छह हजार रुपये देने का कार्य कर रही है। इसके अलावे गरीबों को पक्का मकान भी दे रही है जिसका फायदा लोगों को मिल रहा है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अध्यक्षीय भाषण देते हुये कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को गरीबों की सरकार करार देते हुए कहा कि कोरोना जैसी भयावह त्रासदी में सरकार ने लोगों को मुफ्त में अनाज देने का काम किया है। साथ ही कोरोना को देश में नियंत्रित करने का भी कार्य किया। इसलिए आगे भी मोदी को ही देश का प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि गरीबों के लिए इसी तरह योजनाएं चलायी जा सके। उन्होंने कहा कि झोपड़ी, कच्चा घरों में रह रहे लोगों को बरसात के दिनों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे ध्यान में रखते हुए गरीब पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास देकर काफी राहत पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है और उन्हें केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने सुबह माँ शीतला जी का दर्शन किये और गोपी घाट का निरीक्षण करने के उपरान्त एसटीपी का निरीक्षण किये। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री मीडिया पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, हरेन्द्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, अमित श्रीवास्तव, सुरेन्द्र सिंघानियां दिनेश सिंह बब्बू, नीरज सिंह, राम सिंह मौर्या, अज्जू दुबे, संदीप तिवारी, भूपेन्द्र सिंह, रामसूरत मौर्या, सुबाष कुशवाहा, विजय सिंह विद्यार्थी, बृजेश यादव, सूबेदार सिंह, सुनील यादव मम्मन, शशि मौर्या, अंजना श्रीवास्तव, श्रीमती कमला सिंह, धनन्जय सिंह, मेनका सिंह, आमोद सिंह, नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, रोहन सिंह, सिद्धार्थ राय, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, इन्द्रसेन सिंह, घनश्याम यादव, नीरज मौर्या किसान मोर्चा सहित सभी लाभार्थी गण उपस्थित रहे।

दबंगों ने घर में घुस कर मार कर दो को किया जख्मी पुलिस ने दर्ज किया हल्की धारा

बदलापुर थाना क्षेत्र के लेदुका गांव का मामला

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर बदलापुर थाना क्षेत्र के लेदुका गांव में दबंगों ने घुसकर दो लोगों को मारकर जख्मी कर दिया।उल्टे पुलिस ने आरोपियों की तरफ से गम्भीर धारा मे मामला दर्ज किया। जबकि पीड़ित का मामला हल्की धाराओं में दर्ज किया । पीड़ित ने पुलिस अधिकारियो से न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार लेदुका गांव में विगत दिनों नाली व कूड़ा फेंकने को लेकर कहासुनी हुई। जिस पर विपक्षी सुनियोजित तरीके से सुरेश श्रीवास्तव के परिवार पर लाठी–डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया और घर में घुसकर सौरव श्रीवास्तव को पीटने लगे, इसी दौरान उनके भाई सुधीर श्रीवास्तव पहुंचे बीच बचाव करना चाहे, उन्हें भी मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया । दोनों लोगों को गंभीर चोटे आई । हमलावर मरणासन्न हाल में छोड़ कर फरार हो गए। दोनों लोगों का उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य बदलापुर में भर्ती कराया गया। लेकिन इसी बीच दबंग लोगों का मामला पुलिस ने पीड़ित के ऊपर गंभीर धाराओं में दर्ज कर लिया। जबकि पीड़ित पक्ष का मामला हल्की धाराओं में दर्ज किया । जिसमें अश्विनी, आयुष, कंचन, शिवानी को आरोपी बनाया है । पीड़ित ने कहा कि दबंग लोग आए दिन परेशान करते हैं और जबरदस्ती मेरे जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं और आए दिन परिवार के ऊपर घर के अंदर से ही पत्थर से मारते हैं, जब इसका विरोध किया जाता है तो वह वीडियो बनाकर वायरल करते हैं । इसी क्रम में यह घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने कहा कि घर में घुसकर धारदार हथियार मारे पोटै हैं। इसलिए मामला गंभीर धाराओं में दर्ज होनी चाहिए थी। पीड़ित ने पुलिस पर उल्टे दबंगों की मदद करने का आरोप लगाया और कहा कि जांच में भी गड़बड़ी कर सकते हैं। अगर मुझे न्याय नहीं मिला तो मैं मुख्यमंत्री दरबार दरवाजा खट–खटाऊगा ।

नालों पर अतिक्रमण को जल्द से जल्द ध्वस्त कराएं : नगर आयुक्त

गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल नगर निगम सभागार में नगर निगम के समस्त अधिकारियों जोनल अधिकारियों जोनल सेनेटरी अधिकारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी समस्त सफाई निरीक्षक एवं समस्त अधिशासी अभियंता सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता के साथ बैठक कर वर्षा ऋतु से पूर्व नाले एवं नालों की सफाई को जल्द से जल्द पूर्ण कराए इसके अलावा महानगर के विभिन्न स्थानों पर जहां जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है वहां विशेष स्थिति में नालों की सफाई एवं नाले पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त कराए जाने हेतु संबंधित जोनल अधिकारी एवं सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिया गया समस्त अवर अभियंताओं को अपने से संबंधित सेंपबेल व पंपिंग सेट की मरम्मत कराने तथा समस्त मूल सिंह सेंटरों पर ऑपरेटर की तैनाती और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु निर्देश दिया गया जिन स्थानों पर नालों का लेवल ऊंचा है वहां पर विहोल कराने हेतु समस्त अभियंताओं को आदेशित किया गया महानगर में अत्याधिक जलभराव वाले नाले जैसे कि सावित्री हॉस्पिटल नाला गीता प्रेस नाला जुबली इंटर कॉलेज नाला एवं मुंशी प्रेमचंद पार्क के पास का नाला की सफाई दोबारा कराने हेतु संबंधित जोनल अधिकारी एवं सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिया गया समस्त अभियंता एवं जोनल अधिकारी जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर तैयारी प्रारंभ करा दें किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अभियंता एवं जोनल अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

आवासीय मानचित्र पर चला रहा अस्पताल,जीडीए ने किया सील

गोरखपुर । डॉक्टर रे हॉस्पिटल को अपने आवास में चलाना महंगा पड़ गया, जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर अधिकारियों ने हॉस्पिटल को किया सील। डॉक्टर रे हॉस्पिटल का मानचित्र आवासीय बनवा कर कमर्शियल उपयोग किया जा रहा था। जीडीए उपाध्यक्ष की जानकारी में आने के बाद टीम गठित की गई। टीम द्वारा जांच किया गया तो पाया गया कि आवासीय मानचित्र में हॉस्पिटल चल रहा था जिसे तत्काल सील कर दिया गया। संचालक को चेतावनी दिया गया कि पुनः आवासी मकान में हॉस्पिटल चलाने की कोशिश की गई तो कठोर कार्रवाई किया जायेगा। बताया गया की उपाध्यक्ष जीडीए के आदेश के अनुपालन में आज विशेष कार्याधिकारी पी के सिंह के नेतृत्व में सहायक अभियंता कुंजबिहारी, राजबहादुर सिंह एवं अवर अभियंता रमापति वर्मा,मनीष कुमार त्रिपाठी डी एन शुक्ला एवं समस्त प्रवर्तन स्टाफ तथा क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग से दाउदपुर स्थित डा संतोष शंकर रे के आवासीय मानचित्र के विपरीत व्यवसायिक निर्माण कर व्यवसायिक गतिविधि करने पर सीलिंग की कार्यवाही उनके भारी विरोध के बीच की गयी। मौके पर निर्देशित भी किया गया कि आवासीय परिसर में किसी भी तरह का व्यवसायिक संचालन न करें अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही आगे भी की जायेगी। जीडीए

उपाध्यक्ष के आदेशानुसार अवैध निर्माणों एवं अनाधिकृत कालोनियों एवं भूउपयोग के विपरीत संचालित भवनों के विरूद्ध उ०प्र० नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में आयोजित उद्यम पंजीयन कैंप में 15 व्यापारियों ने उद्यम पंजीयन कराया

जिला उद्योग कार्यालय के उपनिदेशक मनोज चौरसिया ने इस अवसर पर मौजूद व्यापारियों को उद्यम पंजीयन के लाभों की जानकारी दी एवं जिला उद्योग केंद्र में प्रदेश सरकार की चल रही योजनाओं की भी जानकारी दी

व्यापारी अपनी अगली पीढ़ी को उद्योग क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित कर : संजय गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में बुधवार को उद्यम पंजीयन कैंप का आयोजन हुआ तथा इस अवसर पर व्यापारी गोष्ठी भी आयोजित हुई कैंप में जिला उद्योग केंद्र के उप निदेशक मनोज चौरसिया ,असिस्टेंट मैनेजर के के पांडे मौजूद रहे तथा इस अवसर पर एक गोष्ठी का भी आयोजन हुआ जिसमें जिला उद्योग केंद्र के उप निदेशक मनोज चौरसिया ने जिला उद्योग केंद्र की सहायता से सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी व्यापारियों को दी तथा उद्यम में पंजीयन कराने के फायदों की जानकारी दी उन्होंने बताया एमएसएमई में पंजीयन धारक को ध्लाख का दुर्घटना बीमा योजना की सुविधा मिलेगी, एमएसएमई में पंजीकृत उद्यमियों को विभिन्न टेंडरों में ई एम डी, अनुभव एवं टर्न ओवर में छूट मिलेगी तथा बैंकों द्वारा विभिन्न योजनाओं में वरीयता एवं बिना कॉलेटरल सिक्योरिटी के लोन की सुविधा मिलेगी इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा सरकार द्वारा प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है व्यापारियों को भी इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए तथा अपनी अगली पीढ़ी को उद्योग क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए तथा स्वयं भी उद्योग लगाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए इस अवसर पर 15 व्यापारियों द्वारा उद्यम पंजीयन कराया गया तथा इस अवसर पर संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल ,नगर उपाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, नगर महिला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती अनिला अग्रवाल, मोहम्मद शफीक, सनी, संजय अग्रवाल सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

जलभराव से निजात दिलाने के लिए मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने किया निरीक्षण

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। अयोध्या नगर निगम महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने वर्षा ऋतु आने से पहले लोगों को जलभराव से निजात दिलाने के लिए अभी से कमर कस लिया है। मंगलवार को उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ उन जगहों पर निरीक्षण किया जहां पर हर वर्ष वर्षा का पानी इकट्ठा होने के चलते जलभराव की विकट स्थिति उत्पन्न हो जाती है।उन्होंने मंगलवार को जनौरा सहित अन्य मुहल्लों में जाकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षा ऋतु में नगर निगम की यही कोशिश रहेगी कि जगह जगह वर्षों से हो रहे परंपरागत जलभराव स्थानों को चिन्हित कर जल निकासी की व्यवस्था सुचारू रूप से कराई जा सके। इसी क्रम में नगर निगम जनौरा तालाब के जल को अन्य जगह पर ले जाने के लिए नालों की सफाई युद्ध स्तर पर की जा रही है।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त बागीश शुक्ला, सहायक अभियंता राजपति यादव, अवर अभियंता विनोद पटेल, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राकेश सिंह, विपिनेश पांडे रमेश गुप्ता राणा, अशोक तिवारी सहित विभाग के अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रचंड गर्मी व धूल भरी आंधी से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक आम जनमानस बेहाल

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। मंगलवार को तन को झुलसाने वाली गर्मी व धूल भरी आंधी से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों का जीना मुश्किल हो गया। मंगलवार को गर्मी का आलम यह रहा कि आम जनमानस को छोड़िये पशु पक्षी भी प्यास के मारे व्याकुल दिखाई दे रहे थे।हालात यह दिखी कि शहर के चौक, रिकाबगंज, फतेहगंज,नाका, शांति चौक, रोडवेज स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मोदहा चौराहा,साहब गंज, देवकाली तिराहा, देवकाली बाईपास सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर स्थित पना, जलजीरा, ककड़ी, खीरा, मठ्ठा, शिखंझी, ठंडा पानीध सहित अन्य पेयजल की बिक्री कर रहे ठेलो पर लोगो की भीड़ दिखाई दे रही थी।जो गर्मी से निजात पाने के लिये पेयजल का सेवन करते हुये दिखाई दे रहे थे।वही अधिकतर लोग गर्मी से निजात पाने के लिये रेस्टोरेंट व दुकानों पर लस्सी, कोल्डड्रिंक आदि शीतल पेय पदार्थो का सेवन करते हुए दिखाई दिए।मंगलवार को गर्मी का आलम यह रहा कि वही लोग मजबूरी में अपने घरों से बाहर निकल रहे थे जिनको अति आवश्यक कार्य व दफ्तर आदि जगहों पर जाना था।बाहर निकलने वाली महिलाएं धूप से बचने के लिए छाता का सहारा लेते हुए दिखाई दे रही थी वही बच्चे बुजुर्ग व अन्य लोग इस गर्मी में धूप से बचने के लिए टोपी, गमछा व कपड़े पहने हुए दिखाई दे रहे थे।मंगलवार को सुबह नौ बजे से ही सूर्य देवता रुप में प्रचंड गर्मी बरसाते हुए नजर आ रहे थे।दोपहर बारह बजे तक सूर्य देवता ने प्रचंड गर्मी बरसाते हुए नजर आ रहे थे। जिसका असर यह दिखा कि थोड़ी देर बाहर निकलने पर लोग गर्मी से बेहाल व पसीने से तरबतर दिखाई दे रहे थे।सड़कें सूर्य देवता के प्रचंड प्रकाश से इतनी गर्म हो गई थी कि उस पर पैदल चलना मुश्किल था।वही धूल भरी आंधी चलते के चलते आने जाने वाले लोगों के लिए मुसीबत बनी रही।इस समय सबसे ज्यादा परेशानी आने जाने वाले लोगों, दुकानदारों, ठेलो व खोमचे वाले को होती दिखी।बची खुची कसर राम पथ, धर्म पथ व भक्ति पथ निर्माण कार्य पूरा कर कर है। शहर के किसी भी कोने से निकलना हो तो गन्तव्य स्थान तक जानें में काफी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है।एक ओर बड़े गड्ढे हादसे का सबब बन रहे हैं।वही इस जगह पर रखी गई बालू इस ध ूल भरी आंधी में उड़ने के चलते इधर से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वही पशु पक्षी भी इस प्रचंड गर्मी में बेहाल दिखाई दे रहे हैं।पशु भी गर्मी से निजात पाने के लिये पानी का सहारा लेने के लिए आसपास स्थित पोखरो आदि का सहारा ले रहे हैं।

रोजगार निगम की राह मुश्किल, सेवायोजन पोर्टल होगा आधुनिक, कौशल विकास निगम बनाने के लिए मंथन

संवाददाता

लखनऊ। हरियाणा की तर्ज पर कौशल रोजगार निगम बनाने पर भी मंथन चल रहा है। हालांकि समिति के सदस्यों का कहना है कि यूपी में निगम बनाना आसान नहीं है।आउटसोर्सिंग पर भर्ती होने वाले युवाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है। इसके लिए हरियाणा की तर्ज पर कौशल रोजगार निगम बनाने पर भी मंथन चल रहा है। हालांकि समिति के सदस्यों का कहना है कि यूपी में निगम बनाना आसान नहीं है। यहां जैम पोर्टल के जरिए वेंडरों से आउटसोर्सिंग पर नौकरियां दी जा रही हैं। इसके लिए सेवायोजन पोर्टल को इतना सशक्त बनाने की आवश्यकता है कि इन भर्तियों का पूरा ब्योरा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इसका प्रजेंटेशन भी हो चुका है।2017 से अब तक यूपी में ढाई लाख से ज्यादा कर्मचारी जैम पोर्टल के जरिए रखे गए हैं। निकायों में भी एक लाख से ज्यादा संविदा कर्मी हैं। इतने ज्यादा कर्मियों की जिम्मेदारी, कानूनी समस्याएं और उनका श्रमिक भविष्य के लिए परेशानी का सबब न बन जाए, इसके लिए भी समिति विचार कर रही है।समिति के मुताबिक, वर्तमान में वेंडरों के जरिए हो रही भर्तियों पर नजर रखने की जरूरत है। अभी समय से मानदेय न मिलने पर निगाह रखने का सरकार के पास कोई इंतजाम नहीं है। इसी तरह अवकाश, कटौती आदि की भी स्थिति है। इसके लिए सेवायोजन पोर्टल में बदलाव की बात कही जा रही है। इसमें वेतन, अवकाश, यात्रा भत्ता, मेडिकल सुविधा, बीमा, ईएसआई और ईपीएफ कटौती का भी उल्लेख होना चाहिए।

ओरल कैंसर से बचाव के लिए प्रशिक्षित होंगे स्वास्थ्य कर्मी

संवाददाता

लखनऊ। लोगों को ओरल कैंसर से बचाव की जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य कर्मियों व अधिकारियों को प्रशिक्षित कर मास्टर ट्रेनर बनाया जाएगा। जिससे वह अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे। जिससे लोगों को ओरल कैंसर से बचाव व उपचार की सही जानकारी उपलब्ध करा सकें। इसको लेकर सीएमओ ने जपाइगो संस्था से आए मास्टर ट्रेनरों के साथ तैयारी बैठक कर जरूरी निर्देश दिए। सर्वाइकल व कामन कैंसर से बचाव के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें शाहगढ़, संग्रामपुर, भादर, भेटुआ, सिंहपुर, तिलोई व फुरसतगंज सीएचसी से ब्लॉक कार्यक्रम समन्वयक, महिला विशेषज्ञ, एक–एक स्टाफ नर्स प्रशिक्षण में प्रतिभाग करेंगी। नेशनल टीम जपाइगो संस्था की प्रोग्राम अधिकारी डा. रोजलीन मेरी व अजय विक्रम सिंह ओरल कैंसर का प्रशिक्षण देंगे। आयोजन सीएमओ डा. विमलेंदु शेखर व नोडल अधिकारी डा. संजय कुमार राय के निर्देशन में संपन्न होगा। इसको लेकर मंगलवार को सीएमओ की अध्यक्षता में तैयारी बैठक की गई। जिसमें सीएमओ ने विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षण की रुपरेखा तैयार करने का आदेश दिया। सीएमओ ने बताया कि कैंसर का पता लगते मरीज का उपचार शुरू कराया जाएगा। गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर वहां उपचार कराया जाएगा। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक बसंत राय व श्रीराज आदि शामिल रहे।

गर्मी के साथ बढ़े डायरिया के मरीज

लखनऊ। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। अस्पताल में मरीजों को घंटों इंतजार के बाद डॉक्टरों से परामर्श और जांच का नंबर लग रहा है। इससे मरीज व तीमारदार दोनों परेशान हो रहे हैं। अस्पताल आने वाले मरीजों को चिकित्सक उपचार के बाद दवा के साथ बचाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं। मंगलवार को संयुक्त जिला अस्पताल की ओपीडी में 878 मरीजों ने पंजीकरण कराया है। डॉक्टर से परामर्श लेने के बाद 345 मरीज बुखार के सामने आए हैं। डायरिया से ग्रसित कम गंभीर मरीजों का दवा से सुधार हो रहा है। डॉ. पीतांबर कनौजिया ने बताया कि प्रतिदिन कम से कम 15 से 20 मरीज डायरिया के सामने आ रहे हैं। रोग की गंभीरता कम होने से दवा से सुधार हो रहा है। जबकि पैथालॉजी विभाग में प्रतिदिन डेढ़ से दो सौ मरीजों का सैंपल जांच के लिए लिया जाता है। इनमें लगभग 10 से 15 मरीजों में टायफायड के लक्षण मिलते हैं। अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं में इजाफा करने का प्रयास जारी है। किसी मरीज को कोई परेशानी न हो।

चोरी की बाइक सहित दो गिरफ्तार

अयोध्या। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी की दो बाइक व दो मोबाइल फोन के साथ दो आरोपियों

को को गिरफ्तार किया।थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार पाण्डेय ने धर्मेन्द्र कुमार सिंह प्रभारी चौकी हवाईपट्टी,जितेन्द्र यादव प्रभारी चौकी रामनगर थाना कोतवाली नगर,राजेश चन्द्र पाल थाना कोतवाली नगर जनपद की मदद से जनौरा अण्डर पास के पता बी0के0 मौर्य क्लासेज के पीछे रानोपाली थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या व रितेश यादव पुत्र कृपाराम यादव निवासी कोल्हमपुर इमाम थाना नबावगंज जनपद गोण्डा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो बाइक के साथ दो मोबाइल फोन की बरामद किया।

अभियान में निपटाई सम्मान निधि की 14,428 गलतियां

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से शतप्रतिशत किसानों को लाभान्वित करने के लिए गांव–गांव आयोजित कैंप में 20154 किसानों की शिकायत दर्ज हुई। 14,428 शिकायतों का निस्ताण करते हुए अन्य शिकायत भी निस्तारित करने की कोशिश की जा रही है। शेष किसानों को त्रुटियां दूर कराने के लिए तहसील में कैंप कृषि विभाग की ओर से लगाया जा रहा है। उप कृषि निदेशक सत्येंद्र सिंह चौहान ने बताया कि पात्र किसानों को लाभान्वित करने के लिए पीएम किसान संतृप्तीकरण अभियान चल रहा है। अब तक 682 ग्राम पंचायतों में से 624 ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन हो चुका है। शेष ग्राम पंचायतों में 22 तक शिविर लगेगा। 628 गांव में आयोजित शिविर में 20154 किसानों की समस्याएं प्राप्त हुईं जिनमें से 14428 किसानों की शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। योजना से जिले के 294780 किसानों को लाभ प्राप्त कर रहे हैं।बताया कि किसानों को निधि की 14वीं किस्त अवमुक्त होने वाली है। किस्त मिल सके इसके लिए भूलेख अंकन, ईकेवाईसी एवं बैंक खाता आधार से लिंक होना अनिवार्य है। बताया कि जिन किसान की ईकेवाईसी नहीं हुई वह तहसील में आयोजित शिविर, जनसेवा केंद्र या स्वयं फोन से अपडेट कर सकते हैं। ओटीपी बेस्ड इसमें आधार से मोबाइल का लिंक होना अनिवार्य है अन्यथा की स्थिति में आधार से मोबाइल नंर लिंक कराने के पश्चात् ईकेवाईसी करना होगा। इसके अतिरिक्त बायोमैट्रिक बेस इसमें आधार का मोबाइल से लिंक होना अनिवार्य नहीं है, किसी भी जन सुविधा केंद्र के माध्यम से कराया जा सकता है। कहा कि 23 जून तक प्रत्येक कार्यदिवस में तहसील मुख्यालय पीएम किसान संतृप्तीकरण शिविरध्कैम्प आयोजित किया जा रहा है। कैंप में कृषि, राजस्व, डाक एवं जन सुविधा केंद्र के कार्मिक उपलब्ध रहेगें जो उनकी परेशानी दूर करेंगे।

अयोध्या में 44 डिग्री पहुंचा तापमान,गर्मी बढ़ने से लोग परेशान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। उत्तर भारत में सूरज की तपिश और गर्मी का कहर जारी है। मंगलवार दिन का तापमान 44 डिग्री पहुंच गया। वहीं अयोध्या समेत आस–पास के जिलों में तापमान निरंतर बढ़ रहा है। आसमान से आग बरस रही है। सुबह नौ बजे से ही तेज धूप लोगों को बेहाल कर रही। ऑफिस जाने वाले हो या कारोबारी मजदूर हो या किसान। हर इंसान चिलचिलाती धूप से बचने के लिए कोई ना कोई जुगाड़ करता दिखा। राम नगरी में तेज धूप के चलते श्रद्धालु भी परेशान दिखाई दिए। भीषण गर्मी के चलते अयोध्या में ट्रांसफार्मर भी फुंकने लगे है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में हीट वेव का अलर्ट जारी है। अयोध्या में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भीषण गर्मी से लोग त्राहि–त्राहि कर रहे हैं। इसमें और इजाफा होने के आसार हैं। उमस भरी गर्मी से भी लोग बेहाल हैं। सुबह का न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार आगामी 2 दिनों तक अभी गर्मी से निजात मिलने वाली नहीं है।मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा भी छू सकता है। आगामी 24 घंटे में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क बने रहने एवं हवा के सामान्य गति से आगे भी पश्चिमी ही चलने के आसार हैं। औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भीषण गर्मी और पसीने में डूबे लोग गर्मी से राहत पाने के लिए सड़क पर लगे पेय पदार्थों का सेवन करते देखे गए। सड़कों पर महिलाएं और युवतियां दुपट्टे से मुंह को ढक कर स्कूटी से फर्राटा वाहन से भागती दिखी।बुधवार को को दोपहर अयोध्या का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

उप्र पुलिस की 48वीं वार्षिक जूडो क्लस्टर महिला/पुरुष प्रतियोगिता–2023 का मुख्य अतिथि डा मिश्र ने किया शुभारंभ

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी मीडिया सेल के मुताबिक उत्तर प्रदेश पुलिस की 48 वीं वार्षिक जूडो क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता–2023 का शुभारंभ मुख्य अतिथि तथा सह आयोजन सचिव डाव राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा पीएसी ग्राउण्ड किया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश पुलिस के विभिन्न जोनल टीम मैनेजर्स से मुख्य अतिथि द्वारा परिचय प्राप्त किया गया।श्नीट आफ मार्शल निलेश कुमार सिंह द्वारा सभी टीमों को ग्राउण्ड से श्मार्च पास्टश की कार्यवाही बैण्ड की मधुर धुन पर सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट टर्नआउट के साथ संपन्न कराई गई। टीमों के श्मार्च पास्टश द्वारा दिये गये अभिवादन को मुख्य अतिथि द्वारा सलामी मंच से स्वीकार किया गया। प्रतिभागियों के इस अच्छे प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि डॉ राजीव नारायण मिश्र,आईपीएस द्वारा सलामी मंच से इस प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की गयी।

इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुलिस के विभिन्न 13 जोन– लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, मेरठ, प्रयागराज, बरेली, आगरा, रेडियो जोन (टेलीकॉम), जीआरपी, पीएसी मध्य जोन, पीएसी पूर्वी व पीएसी पश्चिमी जोन के 953 खिलाड़ी (महिला/पुरुष) प्रतिभाग कर रहे हैं।मुख्य अतिथिध्सहआयोजन सचिव द्वारा भव्य खेल ग्राउण्ड की साज सज्जा की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी। इस मौके पर उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों से अनुशासित रहकर खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपेक्षा की। कार्यक्रम के दौरान नरेश सिंह यादव सहायक सेनानायक, अरुण सिंह, सहायक सेनानायक शिवनारायण, सैन्य सहायक, विन्ध्यवासिनी पाण्डेय, सहायक शिविरपाल, गोपाल जी दुबे, सुबेदार मेजर व वाहिनी के अन्य अधिकारी ध कर्मचारी एवम् बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

डीजे फ्लोर पर डांस करने को लेकर हुई मारपीट

लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र के गोविंदपुर बरौली गांव में सोमवार की रात तिलक समारोह के दौरान बज रहे डीजे में डांस करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई पीड़ित पक्ष ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया गांव निवासी राम सजीवन ने बताया कि उसके परिवार में सोमवार की रात तिलक समारोह चल रहा था। दरवाजे बज रहे डीजे में गांव के ही आरोपी और उसके साथ तीन–चार अन्य अज्ञात लोग डांस करने को लेकर मारपीट करने लगे।

दलाल घूम रहे जिला अस्पताल में कोई पुरसा हाल नहीं, जिम्मेदार अधिकारी मौन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। इन दिनों जिला चिकित्सालय अगर जाए तो सावधान रहें यहां पर जांच से लेकर दवा और खून दिलाने के नाम पर दलाली जोरों पर चल रही है एक यूनिट खून के लिए तीमारदारों से कई हजार रुपए वसूले जा रहे हैं ऐसा है ही एक मामला प्रकाश में आया है जहां एंबुलेंस चालक पीड़ित से एक यूनिट खून दिलाने के लिए घ्7 लेकर फरार हो गया इसकी शिकायत पीड़ित में प्रमुख अधीक्षक सिटी खून के नाम पर दलाली का यह पहला मामला नहीं है उसके बाद भी जिला अस्पताल इस तरह के तत्वों पर प्रशासन लगाम नहीं लगा पा रहा है वही जिला अस्पताल में 24 घंटा प्रचार किया जाता है कि दलालों से सावधान रहें यह प्रचार मात्र एक छलावा है जिससे अस्पताल प्रशासन लगाम नहीं लगा पा रहा है एक ताजा मामला प्रकाश में आया है बस्ती के शंकरपुर गांव निवासी राम लौट मौर्य की तबीयत 20 मई को खराब होने पर उनके पुत्र पवन मौर्या जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे थे वहां मौजूद चिकित्सक ने राम लौट को खून की कमी सहित अन्य बीमारियों को देखते हुए मेडिकल वार्ड में भर्ती कर इलाज प्रारंभ कर दिया था आरोप है कि अस्पताल में कार्यरत एंबुलेंस चालक सुबोध मौर्या ने एक यूनिट खून दिलाने के नाम पर घ्700 ले लिए लेकिन उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने 30 मई को लखनऊ रेफर कर दिया जिससे खून की जरूरत नहीं पड़ी दलाल सुबोध मौर्या ने लिए गए रुपए देने से मना कर दिया इसकी शिकायत पुलिस चौकी की गई वही इसी तरह की एक घटना फरवरी माह में जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में खून की दलाली का बड़ा मामला सामने आया था यहां पर गंभीर रोग से ग्रस्त एक युवक से दलाल ने 3 माह में 7 बार करवा दिया जिसका खुलासा साथ विवाद के बाद जांच में रक्त खराब मिलने के बाद हुआ इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं हुई एक मामूली कार्रवाई हुई जिसमें ब्लड बैंक 9 कर्मचारियों को मामूली कार्रवाई करते हुए पटल परिवर्तन कर मामले को इतिश्री कर दी जबकि दलाल पर हाथ डालने की हिम्मत जिला प्रशासन नहीं जुटा पाया 108 एंबुलेंस का जिला अस्पताल से कोई लेना देना नहीं है शिकायत करता हूं और सुबोध ा दोनों रिश्तेदार भी है भूलने के लिए पुलिस से शिकायत करनी चाहिए उक्त बातें चंद्र भूषण त्रिपाठी सीएमएस ने कही।

प्रधानाचार्य के.डी. तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त माही यादव को किया पुरस्कृत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। माध्यमिक विद्यालय आर ए बाजार तोपखाना कैंट लखनऊ की छात्रा माही यादव कक्षा 6 –। आज दिनांक 14 जून 2023 को रक्तदाता दिवस 2023 पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य के.डी. तिवारी द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त माही यादव को पुरस्कृत किया गया।

अघोषित बिजली कटौती से नाराज कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। गर्मी के मौसम में अघोषित बिजली कटौती व फसल तैयारी के समय सूखी पड़ी नहरों के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर मंगलवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल की अगुवाई में पदाधिकारी व कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन पर उतरे आए।

सम्पादक मंडल

श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक "देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।